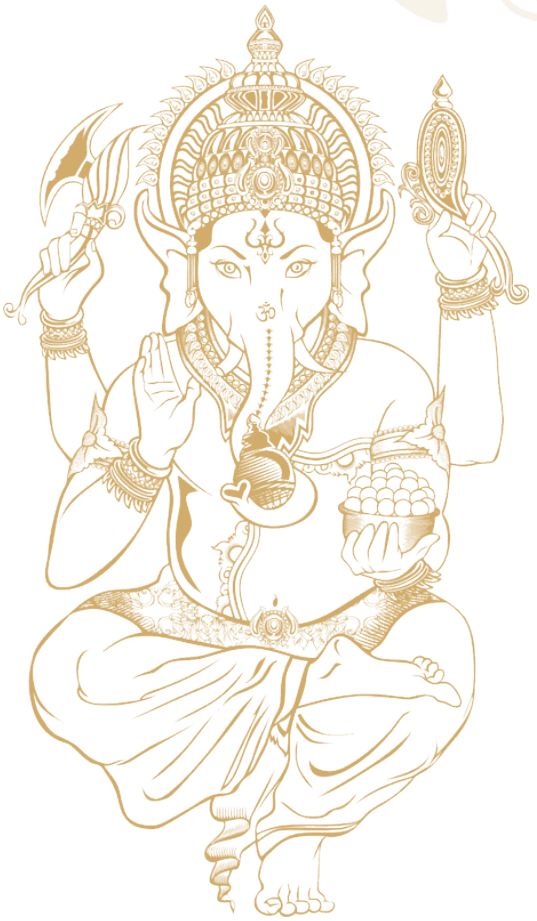

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119528402

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 04/12/1995 | जन्म तिथि | 10/07/1998 |
| सोमवार | दिन | शुक्रवार |
| घंटे 10:57:00 | जन्म समय | 20:10:00 घंटे |
| घटी 11:07:48 | जन्म समय(घटी) | 37:29:52 घटी |
| India | देश | India |
| Gorakhpur | स्थान | Gorakhpur |
| 26:45:00 उत्तर | अक्षांश | 26:45:00 उत्तर |
| 83:23:00 पूर्व | रेखांश | 83:23:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे 00:03:32 | स्थानिक संस्कार | 00:03:32 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:29:52 | सूर्योदय | 05:10:03 |
| 17:03:04 | सूर्यास्त | 18:53:13 |
| 23:48:06 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:50:04 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| शुक्र 15वर्ष 5मा 10दि | 23:17:45 | मक | लग्न | मक | 16:08:26 | सूर्य 1वर्ष 9मा 9दि |
| चन्द्र | 17:46:38 | वृश्चि | सूर्य | मिथु | 24:18:33 | राहु |
| 15/05/2017 | 16:22:10 | मेष | चंद्र | मक | 06:03:09 | 19/04/2017 |
| 16/05/2027 | 08:57:50 | धनु | मंगल | मिथु | 09:01:31 | 20/04/2035 |
| चन्द्र 15/03/2018 | 23:53:06 | वृश्चि | बुध | कर्क | 20:00:25 | राहु 01/01/2020 |
| मंगल 15/10/2018 | 29:21:39 | वृश्चि | गुरु | मीन | 04:08:04 | गुरु 26/05/2022 |
| राहु 14/04/2020 | 14:28:42 | धनु | शुक्र | वृष | 25:19:58 | शनि 01/04/2025 |
| गुरु 14/08/2021 | 24:19:52 | कुंभ | शनि | मेष | 08:41:00 | बुध 20/10/2027 |
| शनि 16/03/2023 | 01:59:57 | तुला व | राहु व | सिंह | 08:16:37 | केतु 06/11/2028 |
| बुध 14/08/2024 | 01:59:57 | मेष व | केतु व | कुंभ | 08:16:37 | शुक्र 07/11/2031 |
| केतु 15/03/2025 | 04:07:24 | मक | हर्ष व | मक | 17:50:31 | सूर्य 01/10/2032 |
| शुक्र 14/11/2026 | 29:55:59 | धनु | नेप व | मक | 07:17:32 | चन्द्र 01/04/2034 |
| सूर्य 16/05/2027 | 07:07:34 | वृश्चि | प्लूटो व | वृश्चि | 11:48:39 | मंगल 20/04/2035 |

## लग्न-चलित

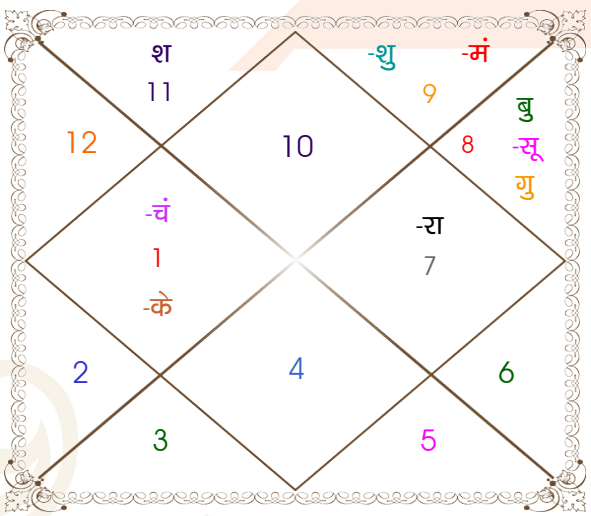


## लग्न-चलित

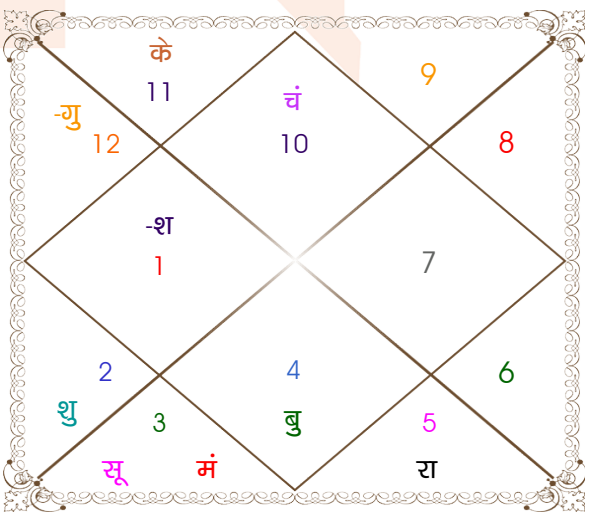

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | वैश्य | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | चतुष्पाद | चतुष्पाद | 2 | 2.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | अतिमित्र | सम्पत | 3 | 3.00 | -- | भाग्य |
| योनि | गज | नकुल | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | मंगल | शनि | 5 | 0.50 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | मनुष्य | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | मेष | मकर | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | अन्त्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 29.50 | | |

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

## मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

**गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।**

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।